CENTRE FOR RESEARCH IN ANCIENT INDIAN MATHEMATICS

Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore
(NAAC Accredited "A+")

School of Data Science and Forecasting
Takshashila Campus, Khandwa Road,
Indore - 452 001 (M.P.)
Mob. : 09425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

Dr. Anupam Jain
Prof. & Director

No. : _____ Date _____

प्रकाशनार्थ

18.01.2023

भारतीय ज्ञान परम्परा में शोध बहुत जरूरी

कुलपति प्रो. रेणु जैन

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के **भारतीय ज्ञान परम्परा** केन्द्र द्वारा शोध प्रस्ताव लेखन पर दो दिवसीय कार्यशाला (18–19 जनवरी 23) का आज शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रेणु जैन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई से पधारे विषय विशेषज्ञ प्रो. आशीष पाण्डेय, IKS-केन्द्र के निदेशक प्रो. अनुपम जैन तथा डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय बाबू गुप्ता ने माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यशाला को प्रारंभ किया। विषय विशेषज्ञ प्रो. पाण्डेय ने शोध की प्रासंगिकता बताते हुए रिसर्च की विभिन्न परिभाषाओं को प्रस्तुत किया एवं कहा कि आज भारत केन्द्रित शोध की आवश्यकता हैं, इसमें शोध के अनेक पक्षों को समाहित करना होगा।

प्रो. विजय बाबू गुप्ता ने विभाग की ओर से सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

अध्यक्षता कर रही प्रो. रेणु जैन ने कहा कि शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा से प्रेरणा लेकर आधुनिक तकनीक की सहायता लेकर नये सिद्धांत उजागर करने चाहिए। आपने कहा कि भारत में गणित, एस्ट्रोनोमी, केमेस्ट्री आदि के क्षेत्र में बहुत काम हुआ था। आपने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला से सभी प्रतिभागी इससे लाभान्वित होंगे। कुलपति ने केन्द्र के निदेशक प्रो. अनुपम जैन को त्वरित सार्थक प्रयासों के लिए बधाई प्रेषित की एवं कहा कि उन्होंने केन्द्र की स्थापना के एक माह में ही यह कार्यशाला आयोजित करा दी जो उल्लेखनीय है।

डॉ. अनुपम जैन ने बताया कि कार्यशाला में इन्दौर शहर विभिन्न विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त, उज्जैन, झाबुआ, मनावर आदि स्थानों के विभिन्न महाविद्यालयों से पधारे 65 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। यह कार्यशाला की सफलता एवं प्रतिभागियों की विषय के प्रति अभिरुचि का द्योतक है।

संलग्नः–चित्र

(डॉ. अनुपम जैन)